दैनिक
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 8 अंक : 291 | इंदौर, सोमवार 01 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Supreme Court: 'मिशनरियों का अपने धर्म का प्रचार गलत नहीं', जबरन धर्मांतरण के आरोपों पर तमिलनाडु का हलफनामा
2. SC: 'छह महीने इंतजार के बिना भी तलाक हो सकता है मंजूर अगर...', सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी
3. COVID-19: भारत में 24 घंटे में कोरोना के 4,282 केस मिले, 14 की मौत; एक्टिव केस 47 हजार के करीब
4. कार्रवाई: भारत सरकार ने बैन किए 14 मैसेंजर एप्स, आतंकवादी कर रहे थे इस्तेमाल
5. Delhi AQI: इस साल जनवरी-अप्रैल के बीच साफ हवा के दिनों में बढ़ोतरी, 2020 को छोड़ सात साल में सबसे बड़ा आंकड़ा
6. PAK के खुफिया दस्तावेज लीक: US के लिए चीन से रिश्ते कुर्बान करने के खिलाफ थीं मंत्री, PM शरीफ को दी थी चेतावनी

बाबा के भक्तों के लिए बनेगी टनल

भारत माता मंदिर से महाकाल चौराहे तक 24 मीटर लंबी सड़क का होगा निर्माण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे है विस्तारीकरण कार्य के तहत महाकाल मंदिर के सामने की ओर भारत माता मंदिर से महाकाल मंदिर चौराहे तक 24 मीटर लंबी सड़क निर्माण का कार्य चार दिन में शुरू होगा। इस मार्ग निर्माण का भूमिपूजन भी होना है। कलेक्टर ने निरीक्षण कर यहां लगे अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में देशभर के श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विस्तारीकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। महाकाल मंदिर के विस्तारीकरण के फेस-2 के कार्य में मंदिर के सामने की ओर अधिगृहित किए गए 11 मकानों का मुआवजा भी दिया जा चुका है। यहां 24 मीटर लंबी सड़क बनाने का कार्य शुरू हो रहा है। संभवतः चार मई को भूमिपूजन के साथ ही कार्य की शुरूआत भी हो जाएगी। रविवार को कलेक्टर ने भारत माता मंदिर से चौराहे तक निरीक्षण किया। इस दौरान यहां लगी पूजन सामग्री की अस्थायी दुकानों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रशासनिक कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग से महाकाल के पालकी द्वार तक के मार्ग में गली में लगी अस्थायी दुकानों के कारण जगह नहीं मिल पाती है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि श्रावण माह के पहले टनल का काम पूरा होना है, जिसको लेकर दर्शन व्यवस्था में भी बदलाव होंगे। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने श्रद्धालुओं को दर्शन में असुविधा होने के मामले को लेकर कहा कि विस्तारीकरण के दौरान दूसरे फेस का काम चल रहा है, ऐसे में श्रावण माह को भी ध्यान में रखते हुए टनल का काम करना बहुत जरूरी है, जिससे श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था में बदलाव किए जा सकेंगे।

धान घोटाला मामले में दो कर्मचारियों पर गिरी गाज, नैनपुर शाखा प्रबंधक लाइन अटैच

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। मंडला के वेयर हाउस में रखे माल की निकासी में हेराफेरी का मामला सामने आया है। एंट्री में हेराफेरी के आरोप में नैनपुर शाखा प्रबंधक को जबलपुर कार्यालय अटैच कर दिया है। इसके अलावा एक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गयी है। जानकारी के अनुसार दिव्या वेयर हाउस में मप्र वेयर हाउसिंग लॉजिस्टिक कार्पोरेशन ने 19,531

एक अन्य की सेवा खत्म

क्विंटल धान का स्टोर किया था। MPWLC ने 28 फरवरी को दो ट्रक से लगभग 429 क्विंटल की निकासी करवाई थी। जिसमें से एक ट्रक निकासी की ऑन लाईन एंट्री नहीं की गयी थी। इस तरह लगभग 158 क्विंटल धान की एंट्री नहीं कर शासन को नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा अन्नपूर्णा वेयर हाउस से भी निकासी के बाद ऑन लाइन एंट्री नहीं की गयी थी।

जिसकी शिकायत MPWLC के अध्यक्ष राहुल सिंह तथा प्रशासनिक स्तर पर की गयी थी। MPWLC के अध्यक्ष ने क्षेत्रीय प्रबंधक जबलपुर संदीप बिसारिया को जांच के निर्देश दिये थे। जांच के बाद नैनपुर शाखा प्रबंधक उज्जवल प्रताप सिंह को निलंबित कर आरएम कार्यालय जबलपुर में अटैच किया गया है। इसके अलावा दैनिक वेतन भोगी नंद किशोर की सेवा समाप्त कर दी गयी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार शाखा प्रबंधक उज्जवल प्रताप

सिंह पर पूर्व में गंभीर आरोप लगे थे। आरएम संदीप बिसारिया का संरक्षण होने के कारण उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पूरे घोटाले को उजागर करने में अहम भूमिका निभाने वाले एक अन्य दैनिक वेतन भोगी की सेवा समाप्त करने आरएम बिसारिया अपरे अधिनिस्थ कर्मचारियों पर दवाब बना रहे हैं।

MPWLC के अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद उन्होंने जांच के निर्देश दिये थे। दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि वेयर हाउस संचालक जागरूकता का परिचय देते हुए अनियमितताओं के संबंध में शिकायत करें। वह अपने स्तर पर शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करेंगे। ईमानदार कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हमारा दायित्व है।

इंदौर जून माह में हर घर में नल से जल पहुंचाने वाला प्रदेश का दूसरा जिला बनेगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हर घर नल से जल के संकल्प को साकार करने वाली, केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के अधीनस्थ जिलों में मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही पेयजल योजनाओं के कार्यों की समीक्षा बैठक गत दिवस इन्दौर में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भोपाल श्री संजय कुमार अथवान, द्वारा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री तथा इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों में पदस्थ कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री व उपयंत्री उपस्थित रहे ।

बैठक में मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, परिक्षेत्र इन्दौर श्री व्ही. एस. सोलंकी, द्वारा परिक्षेत्राधीन चल रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई एवं अवगत कराया गया कि वर्तमान में परिक्षेत्राधीन किसी भी जिले में गंभीर पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने जैसी कोई स्थिति सामने नहीं आई है। हर घर नल से जलकार्यक्रम के अंतर्गत बुरहानपुर जिला मध्यप्रदेश का प्रथम पूर्ण आच्छादित जिला है एवं दूसरा जिला इन्दौर को पूर्ण आच्छादित बनाना है। इस हेतु 30 जून 2023 तक की समयावधि लक्षित है । जिलेवार कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रमुख अभियंता श्री अंधवान द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी जिलों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में कार्य हेतु नलकूप खनन के लक्ष्य प्रदान कर दिये गये हैं। लक्ष्यों की पूर्ति हेतु पूर्व में दिये गये दिशा निर्देशों के अनुरूप समस्याग्रस्त बसाहटों में नलकूप खनन कर पेयजल प्रदाय सुनिश्चित किया जाए। जो नल जल योजनाएं पूर्व के स्रोत सूख जाने के कारण बंद हो गई है, उन्हें निर्धारित प्रक्रियानुसार नवीन स्रोत निर्माण कर पुनः चालू करवाने की कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र करें। हैंडपंपों का संधारण कार्य निर्बाध रूप से जारी रखा जाए। ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी हैंडपंप तकनीकी कारणों से अधिक दिनों तक बंद न रहने पाए। जल स्तर नीचे जाने वाले हैंडपंपों में रायजर बढ़ा कर जलप्रदाय सुचारू रखा जाये। हैंडपंप संधारण हेतु लगने वाली आवश्यक सामग्री एवं रायजर पाइप आदि सभी जिलों को आवश्यक मात्रा में उपलब्ध करा दिये गये हैं। अधीनस्थ अमला अपने क्षेत्र में सतत भ्रमण कर पूरी संवेदनशीलता से हैंडपंपों के संधारण कार्य की मॉनिटरिंग करें। परिक्षेत्राधीन कुछ क्षेत्रों में वाटर लेवल नीचे जाने के कारण पूर्व में स्थापित हैडपंप उपयोगी नहीं रह गये हैं, उनमें सिंगल फेज पंप स्थापित कर जलप्रदाय सुचारू किया जाये। सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में सिंगल फेज पंप उपलब्ध करा दिये गये हैं।

समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन अंतर्गत स्कूलों एवं आंगनवाडियों में विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था की गई है। इन संस्थाओं में स्थापित हैंडपंपों का संधारण भी सतत रूप से किया जाये । प्रमुख अभियंता द्वारा विभागीय अधिकारियों को आश्वस्त किया गया कि पेयजल योजनाओं के कार्यों हेतु फण्ड की कमी नहीं होने दी जायेगी। किसी भी कार्य में लापरवाही नहीं बरती जाए। यदि किसी स्तर पर अधिकारियों / कर्मचारियों की लापरवाही सामने आती है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। साथ ही प्रमुख अभियंता ने यह भी अवगत कराया कि मैदानी अधिकारियों को कार्य करने में कोई कठिनाई या बाधा महसूस हो तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त करें । बैठक समाप्ति पूर्व श्री अजय श्रीवास्तव अधीक्षण यंत्री इन्दौर द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

निगम ने अवैध निर्माण पर जेसीबी चलाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर निगम रिमूवल अमले ने अवैध निर्माण पर जेसीबी चलाई। जीत नगर और लिंबोदी में यह तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। संजीवनी क्लिनिक निर्माण के लिए अवैध निर्माण तोड़कर जमीन खाली करवाई गई। इसके साथ ही दीवार तोड़कर 6 रास्ते आमजन के लिए खोले गए।

जोन 13 बिलावली के अंतर्गत आने वाले वार्ड 74 के जीत नगर में संजीवनी क्लिनिक का निर्माण होना है। जिस जमीन पर क्लिनिक बनना है वह सरकारी और प्राइवेट दोनों है। अपनी प्राइवेट जमीन के साथ सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध तरीके से मकान निर्माण शुरू कर दिया था। निगम से नक्शा मंजूर कराए बगैर यह निर्माण चल रहा था। इनके अलावा किसी ने दो कमरे बना लिए थे। इस अवैध निर्माण को हटाने को लेकर क्षेत्रीय बिल्डिंग अफसर अनूप गोयल और इंस्पेक्टर दीपक गरगटे ने नोटिस दिया, किंतु उन्होंने अवैध निर्माण नहीं हटाया । इस पर रिमूवल अमला तोडफ़ोड़ करने जीत नगर पहुंच गया। रिमूवल अधिकारी अश्विन जनवदे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे और क्षेत्रीय बिल्डिंग इंस्पेक्टर गरगटे की मौजूदगी में कब्जाधारी ने द्वारा कुर्सी हाइट किए गए निर्माण और पिलरों को तोड़ दिया। इसके साथ ही दो अन्य कमरों को भी तोड़ा गया। इसके बाद लिंबोदी क्षेत्र में श्रीकृष्ण एवेन्यू फेस-2 व 3 के बीच दीवार बनाकर रास्ते बंद कर दिए गए थे। इसके चलते दीवार को तोड़कर 6 जगह से रास्ते खोले गए, क्योंकि रास्ते बंद होने से आमजन परेशान थे।

दूषित नर्मदा जल को लेकर किया प्रदर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एम आर 5 सेक्टर महालक्ष्मी नगर में यहां के स्थानीय रहवासियों ने एम आर 5 रहवासी संघ और महालक्ष्मी नगर रहवासी संघ के नेतृत्व में नर्मदा जल के दूषित पानी के सप्लाई को लेकर प्रदर्शन किया।

महालक्ष्मी नगर रहवासी संघ के सचिव ब्रजेश पचौरी ने कहा कि एम आर 5 सेक्टर में पिछले 1 साल से दूषित पानी की समस्या बनी हुई है। नर्मदा की पानी में ड्रेनेज का पानी मिक्स हो रहा है। लगातार चेक करने के बावजूद यहां समस्या बनी हुई है। कुछ फॉल्ट मिले जिन्हें सुधारा गया नगर निगम द्वारा लेकिन फिर भी समाधान नहीं हुआ। टैंकरों के द्वारा भी पानी उपलब्ध समय पर नहीं हो पा रहा है और ड्रेनेज की भी समस्या बनी हुई है। ड्रेनेज की सफाई करने के लिए टीम नगर निगम की नहीं आ पा रही है। पचौरी ने कहा कि इन समस्याओं को लेकर आज एम आर 5 महालक्ष्मी नगर और अन्य सेक्टर के रहवासी एकत्रित हुए विरोध प्रदर्शन किया गया नर्मदा विभाग की टीम का घेराव किया गया।

रहवासियों ने कहा की मौके पर आए नगर निगम के कर्मचारियों से दूषित पानी और ड्रेनेज की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यदि जल्द दूषित पानी के समस्या का समाधान नहीं किया गया तो अगले हफ्ते हम जोनल ऑफिस का घेराव करने जाएंगे और जोनल ऑफिस के सामने प्रदर्शन करेंगे।

खराब मौसम के कारण हैदराबाद से जबलपुर जा रही उड़ान इंदौर डायवर्ट

● रात में होटल में ठहराया, सुबह दूसरी उड़ान से जबलपुर भेजे गए यात्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रदेश में खराब मौसम का असर हवाई यात्राओं पर भी हो रहा है। जबलपुर में शनिवार रात में खराब मौसम के कारण हैदराबाद से आई उड़ान को लैंड करने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद विमान को इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। विमान में सवार सभी यात्रियों को होटल में ठहराया गया और दूसरे दिन रविवार सुबह की उड़ान से जबलपुर के लिए रवाना किया गया।

एयरपोर्ट प्रबंधन की जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान 6ई7307 शाम 4:55 बजे हैदराबाद से रवाना होकर शाम 7.10 बजे जबलपुर पहुंचती है। जबलपुर में मौसम खराब होने के कारण पहले विमान आसमान में ही चक्कर लगाता रहा, लेकिन बाद में उसे लैंड करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद विमान को इंदौर भेजा गया।

होटल में ठहराया 72 यात्रियों को

रात 9.15 बजे विमान इंदौर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इसमें 72 यात्री सवार थे। सभी की होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। रविवार सुबह सभी यात्रियों को उड़ान संख्या 6ए1316 से जबलपुर भेजा गया। गौरतलब हैं कि हैदराबाद और जबलपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा नियमित उड़ान का संचालन किया जाता है। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जबलपुर तक 680 किलोमीटर की दूरी तय करने में दो घंटे छह मिनट का समय लगता हैं।

मौसमी कारणों से बिजली वितरण आंशिक प्रभावित रहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार की दोपहर 1 से 4 के बीच मौसम में भारी बदलाव एवं आंधी, बारिश, ओले गिरने व बादलों का गड़गड़ाहट रही। इसी दौरान पवर ट्रांसमिशन कंपनी की नागदा - इन्दौर 400 केवी अति उच्च दाब बिजली लाइन का तार भी महू रोड पर 33 केवी लाइन पर गिरने से राऊ क्षेत्र की बिजली वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई। इसी के साथ बादलों की गड़गड़ाहट, ओलावृष्टि एवं तेज हवाओं के समय खंडवा रोड स्थित 132 साउथ जोन एवं पीथमपुर - राऊ लाइन का विद्युत प्रवाह अवरूद्ध रहा। इससे इंदौर के दक्षिण क्षेत्र और मध्य क्षेत्र में बिजली प्रदाय 1 से लेकर 2 घंटे तक बाधित रहा। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने वर्षा के बावजूद 1-2 घंटे में व्यवस्था ठीक की। मौसमी कारणों शहर के अन्य क्षेत्रों में भी स्थानीय फीडर 3-4 जगह फाल्ट हुए, जिन्हें आधा से 1 घंटे के भीतर ही सुधारकर विद्युत प्रवाह सामान्य किया गया। वहीं लगभग 10 स्थानों के ग्रिड सुरक्षात्मक कारणों से 10 से 20 मिनट बंद रखे गए। बिजली वितरण कंपनी ने मौसम प्रतिकूल होने पर धैर्य बनाए रखने , लाइनों, ट्रांसफार्मरों, पोल से पर्याप्त दूरी की अपील की हैं।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना

सर्वर डाउन और बरसात होने के कारण अंतिम दिन फार्म जमा नहीं सके

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में रोजाना की तरह शनिवार व रविवार को भी सर्वर डाउन होने और धीमे चलने व सुबह से हुई बरसात के कारण भी बहने आवेदन फार्म जमा नही कर पाई है।फार्म जमा करने का आज अंतिम दिन था।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का आवेदन फार्म जमा करने आज सुबह से आवेदिका झोंन कार्यालय पहुची तो लगभग सभी झोन पर सर्वर डाउन होने कारण पोर्टल नही या धीरे चले।वही सुबह से तेज बरसात के कारण भी महिलाएं झोंन नही पहुच पाई।जिसके चलते लाडली बहना फार्म जमा करने के लिए दिनभर परेशान होती रही।

फार्म जमा नही होने पर कई झोंन पर निगम कर्मचारियों को महिलाओं के आक्रोश का भी सामान करना पड़ा। सर्वर चलने और आवेदन जमा होने के मामले में निगम कोई अधिकारियों कर्मचारी कोई भी उचित जवाब नही दे पाए। पूरे अभियान में मात्र कुछ ही दिन पोर्टल ने सही तरीके से पूरे समय काम किया। वही भाजपा नेता शैलेंद्र महाजन ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से मांग की है,लॉडली बहना योजना फार्म जमा करने का आज अंतिम दिन था।

मूक-बधीर बच्चों ने साइन लैंग्वेज की मदद से समझी मन की बात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो प्रोग्राम मन की बात का 100वां एपिसोड रविवार को प्रसारित किया गया। ये पहला मौका था जब मन की बात कार्यक्रम को मूक-बधिर लोगों के लिए साइन लैंग्वेज में प्रसारित किया गया। इस अवसर पर इंदौर में स्कीम नं. 71 स्थित, इंदौर डेफ बाइलिंगुअल एकेडमी मूक-बधीर बच्चों के बीच मन की बात कार्यक्रम की स्पेशल स्क्रीनिंग की गई। इस स्क्रीनिंग में मप्र यूथ कमीशन के चेयरमैन डॉ. निशांत खरे जी शामिल हुए। वहीं मूक बधीर बच्चें इस स्पेशल स्क्रिनिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम से जुडऩे के लिए बेहद उत्सुक नजर आए। इस अवसर पर इंदौर डेफ बाइलिंगुअल एकेडमी की वेबसाइट भी लांच की गई।

108 घुटना प्रत्यारोपण का लक्ष्य था, 216 रजिस्ट्रेशन हो गए

153 मरीजों का चयन घुटना प्रत्यारोपण हेतु हो गया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। स्वर्णिम फाउन्डेशन ,श्वेताम्बर जैन महिला संघ केन्द्रीय इकाई,यूनिक चेरिटेबल ट्रस्ट एवं आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निः शुल्क घुटना प्रत्यारोपण शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी,कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी,समाजसेवी वीरेन्द्रकुमार रेखा जैन एवं अस्थिरोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ प्रमोद पी नीमा एवं अध्यक्ष विवेक जैन ने किया ।

मुख्य अतिथि शंकर लालवानी ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण शिविर है जो घुटनों के दर्द से पीड़ित लोगों को सही उपचार प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है ।कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी ने कहा कि घुटनों का दर्द आज के समय में एक बहुत ही आम समस्या है और इससे पीडित लोगों को निः शुल्क घुटना प्रत्यारोपण किया जा रहा है वो उन लोगों के लिए बड़ी मदद होगी जो असहनीय वेदना झेल रहे हैं । वीरेन्द्र कुमार जैन ने बतलाया की पिछले 5 शिविरों के माध्यम से हम 500 से अधिक मरीजों का निः शुल्क घुटना प्रत्यारोपण करवा चुके हैं और आज का लक्ष्य था 108 मरीजों का किंतु 216 रजिस्ट्रेशन हुए हैं उसमें से 153 मरीजों का चयन कर लिया गया है ।स्वागत उद्बोधन देते हुए फाउन्डेशन के अध्यक्ष विवेक शारदा जैन ने बतलाया कि सभी मरीजों की निः शुल्क जाँच कर घुटना प्रत्यारोपण एक मई से प्रांरभ हो जाएगा । कार्यक्रम का संचालन श्वेताम्बर महिला संघ की संस्थापक अध्यक्ष रेखा जैन ने किया ।आभार शकुन्तला पावेचा ने व्यक्त किया इस अवसर पर डॉ लोकेश जोशी, मंजू घोडावत,विजया जैन एवं कल्पना पटवा उपस्थित थे ।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे
फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार
मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखो
ऐसे चलता है ठगी का धंधा

जीवन भर का फैसला कहीं
जीवन भर की चूक न बन जायें,
डिटेक्टिव से
तहकीकात ज़रूर करवाए
DETECTIVE GROUP
Detecting the truth
आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे
www.detectivegroup.in
Whatsapp us on +91-91110 50101

भोपाल-नागपुर मार्ग 20 घंटे बाद खुला, तब भी रेंगते रहे वाहन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल-नागपुर नेशनल हाइवे पर शनिवार से तीन बजे से यातायात अवरुद्ध हो गया था जो रविवार को बीस घन्टे बाद काफी मशक्कत के बाद औबेदुल्लागंज पुलिस खुलवाने में कामयाब हो सकी । उसके बाद भी छोटे बड़े सभी वाहन रेंगते हुए चल रहे हैं। इस सम्बंध में औबेदुल्लागंज थाना प्रभारी संदीप चौरसिया ने बताया की मार्ग सकरा है जिसे फोरलेन किया जा रहा है सड़क पर निर्माण एजेंसी ने मिट्टी डाल दी बारिश होने से वाहन मिट्टी में फंस गए । कई वाहनों की मिट्टी में फिसलन के कारण दिशा बदल गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि यातायात लगभग बीस घन्टे अवरुद्ध रहा। टीआई अपने मातहतों के साथ रात भर जाम खुलवाने के प्रयास करते रहे। आलम यह था कि दुपहिया वाहन चालकों के निकलने तक की जगह नहीं थी। पुलिस वाहन भी कीचड़ में फंस गया जिसे वहां मौजूद लोगों ने निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात भर यही नजारा देखने को मिला। एकदूसरे की सभी लोग मदद करते दिखे परन्तु किसी की कोई कोशिश काम नहीं आ सकी। जाम का एक छोर औबेदुल्लागंज के समीप था तो दूसरा किनारा बुधनी घाट के नीचे तक पहुंच गया।

औबेदुल्लागंज टीआई ने बुधनी थाना प्राबारी से सम्पर्क कर दो और वाहन चालकों को डायवर्ट कराया । वाहन इधर शाहगंज, बकतरा बाड़ी से होते हुए औबेदुल्लागंज व ग्यारह मील निकालते रहे। दूसरी ओर बुधनी से सलकनपुर होते हुए वाहन औबेदुल्लागंज अतिरिक्त चक्कर लगा कर पहुंच रहे थे।

निर्माणाधीन सड़क पर डाली गई मिट्टी बारिश के कारण कीचड़ में बदल गई। रात में अनेक वाहन कीचड़ में फंस कर जाम में बढ़ोतरी करते रहे। यह जाम पच्चीस किलोमीटर से भी लम्बा हो गया।

पुलिस पूरी रात जाम खुलवाने के प्रयास करती रही। अगर पुलिस वाहनों को दो अलग अलग रूटों पर डायवर्ट नही करती तो जाम काफी लंबा हो जाता

मलकीत सिंह, एसडीओपी औबेदुल्लागंज

कांग्रेस की चुनावी तैयारी ...

परिवर्तन संकल्प अभियान की तैयारियां, संगठन मंत्रियों को आज भोपाल बुलाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों की प्रदेश कांग्रेस आज सोमवार को समीक्षा करेगी। इसके लिए सभी संगठन मंत्रियों को भोपाल बुलाया गया है।

इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ जिलेवार बूथ, मंडलम, सेक्टर समितियों के गठन और मतदाता सूची के सत्यापन कार्य की जानकारी संगठन मंत्रियों से लेंगे। साथ ही परिवर्तन संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा आयोजित की जानी है।

चुनाव में भाजपा के संगठन से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने त्रिस्तरीय व्यवस्था बनाई है। इसके अंतर्गत बूथ, मंडलम और सेक्टर समितियों का गठन किया गया है। इन्हें मतदान केंद्र स्तर पर मतदाता संपर्क अभियान चलाने के साथ मतदाता सूची के सत्यापन, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान सहित अन्य कार्य दिए गए हैं।

मतदान केंद्र स्तर पर दस-दस कार्यकर्ताओं की टीम भी बनाई गई है, जिन्हें बूथ प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष इन सभी कार्यक्रमों की समीक्षा जिला संगठन मंत्रियों के साथ बैठक में करेंगे। इसके साथ ही इससे बूथ स्तर पर पार्टी की स्थिति की जानकारी भी बैठक में ली जाएगी।

परिवर्तन संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भी निर्देश दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत 16 वरिष्ठ नेता सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और एक जनसभा भी आयोजित की जाएगी।

समर्थन मूल्य पर खरीदकर खुले में रखा गेहूं भीगा, सरकार ने मांगी रिपोर्ट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में शनिवार और रविवार को हुई वर्षा से समर्थन मूल्य पर उपार्जन करके खरीदी केंद्रों पर खुले में रखा गेहूं भीग गया। कुछ स्थानों पर पानी भर गया।

इससे गेहूं को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इसे देखते हुए नागरिक आपूर्ति विभाग ने सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी है। अभी तक प्रदेश में 55 लाख 59 हजार 617 टन गेहूं खरीदा जा चुका है। इसमें से 50 लाख 18 हजार 89 टन गेहूं गोदामों में सुरक्षित रखा जा चुका है।

नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक दीपक सक्सेना ने बताया कि गेहूं उपार्जन के बाद भंडारण के लिए तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए हैं। यही कारण है कि इस बार अब तक 50 लाख टन गेहूं गोदामों में पहुंच चुका है। दो दिन से हो रही वर्षा के कारण कुछ स्थानों पर रखे गेहूं के भीगने की सूचना प्राप्त हुई हैं।

सभी जिलों से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि खुले में जो भी गेहूं रखा है, उसे तिरपाल से ढंककर रखा जाए। उपार्जन केंद्रों में पानी जमा न हो, इसकी व्यवस्था की जाए ताकि खरीदे गए गेहूं को नुकसान न हो।

कलेक्टर स्थगित कर सकेंगे गेहूं उपार्जन का कार्य

प्रदेश में वर्षा की स्थिति को देखते हुए सरकार ने कलेक्टरों को उपार्जन केंद्रों पर गेहूं खरीदने का कार्य स्थगित करने का अधिकार दे दिया है। उपार्जन कार्य स्थगित होने से जिन किसानों से खरीदी नहीं की जा सकेगी, उन्हें फिर से स्लाट बुक करने की सुविधा दी जाएगी। उपार्जन केंद्र पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण की जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग ने कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि उपार्जित गेहूं को वर्षा से बचाने के लिए सभी कदम उठाए जाएं।

फर्जी टीसी ने काशी एक्सप्रेस में की अवैध वसूली, यात्रियों को पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इटारसी। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर एक फर्जी टीटीई द्वारा काशी एक्सप्रेस के यात्रियों से मारपीट एवं जांच के नाम पर रुपयों की अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। इटारसी के टीटीई प्रीतम तिवारी ने यात्रियों के बयान लेकर इस मामले का पर्दाफाश किया। ट्रेन में सतना से मुंबई जा रहे यात्री विनीत वर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि टीटीई बनकर जबलपुर स्टेशन पर प्रेमप्रकाश नाम का युवक आया, उसने एक हजार रुपये वसूले, हमारी टिकट चेक की, इसके बाद पिटाई की। एक यात्री ने बताया कि वे प्रयागराज से मनमाड़ जा रहे थे, तभी प्रेमप्रकाश ने आकर हमारे 800 रुपये ले लिए, इसके बाद हमें पीटा गया। हमारी टिकट चेक कर कहा कि शयनयान श्रेणी में यात्रा नहीं कर सकते, इस तरह कई यात्रियों ने इस तरह की शिकायत की है। टीटीई तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दे दी गई है।

गुटों में बंटी जयस हुई एक

● बैठक में कई साल बाद एक साथ सभी गुट, अलावा बोले-आदिवासी एकजुट हैं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार/खलघाट। एमपी में आदिवासियों के सबसे चर्चित संगठन जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) में कई सालों से चल रही खींचतान और गतिरोध अब थम गया है। खलघाट में हुई बैठक में जयस के संस्थापक सदस्यों के साथ मनावर विधायक डॉ.हीरालाल अलावा शामिल हुए। करीब सात घंटे तक चली इस बैठक में लंबी चर्चा हुई। मीटिंग में तय हुआ कि आदिवासियों के मामलों का फैसला गैर आदिवासी नहीं करेंगे। सामाजिक और राजनैतिक निर्णय आदिवासियों और जयस के पदाधिकारियों की सहमति से लिए जाएंगे। बैठक में विधायक हीरा अलावा ने कहा कि आदिवासी भाई एकजुट हैं। बैठक में शामिल हुए एक पदाधिकारी ने बताया कि अब एक-दूसरे पर कोई भी सार्वजनिक टीका-टिप्पणी नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया के जरिए होने वाले वाद-विवादों को भी रोकने के लिए सभी पदाधिकारी मर्यादा का पालन करेंगे। राजनीति को लेकर विरोधाभाषी बयानबाजी पर भी रोक लगाने को कहा गया है। बैठक में तय हुआ कि आगामी विधानसभा चुनाव में जयस स्वतंत्र रूप से अपने प्रत्याशी उतारेगी। चुनाव लड़ाने के लिए पार्टी को राजनैतिक दल का गठन कराने या अन्य किसी छोटे दल के सिंबल पर चुनाव लड़ाया जाएगा। इसको लेकर जल्द ही फैसला होगा। लेकिन जयस के अधिकांश पदाधिकारियों ने एक राय होकर ये कहा कि बीजेपी और कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लडऩे से बेहतर होगा कि जयस स्वतंत्र रूप से अपने उम्मीदवार उतारे।

फिर हिंदू धर्म में लौटे 50 से ज्यादा परिवार

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा में की घर वापसी; बोले-हम लालच में भटक गए थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर। सागर में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा में 95 लोगों ने सनातन धर्म अपनाया। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सामने 50 से अधिक परिवारों ने ईसाई धर्म छोड़कर दोबारा हिंदू धर्म अपनाया। ये परिवार बदौना और जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं।

घर वापसी कर रहे लोगों ने कहा कि हम लालच में आ गए थे। मार्ग से भटक गए थे, लेकिन अब नहीं भटकेंगे। अब सनातन धर्म में ही रहेंगे। इसके बाद पं. धीरेंद्र शास्त्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए सनातन धर्म में स्वागत किया। धर्म की शपथ भी दिलाई।

दरअसल, सागर के बहेरिया इलाके में बांके बिहारी नगर में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 24 अप्रैल से कथा चल रही है। रविवार को कथा का आखिरी दिन था। रविवार को लाखों भक्तों के बीच उन्होंने 95 लोगों की घर वापसी कराई है।

घर वापसी कर रहे नौनेलाल अहिरवार ने मंच से कहा कि दूसरे लोगों ने (धर्म परिवर्तन करवाने वालों ने) बच्चों को पैसा देने और पढ़ाई का लालच दिया था। उन्होंने कहा कि ईसाई बन जाओ, तो सभी सुविधा मिलेगी, इसलिए हम दूसरे धर्म में आ गए, लेकिन जब से राम कथा सुनी, तो आत्मा जाग गई। अब जब तक जिंदगी रहेगी, सनातनी धर्म में ही रहेंगे। कहीं नहीं जाएंगे। कोई कितना भी दम लगा ले।

राजघाट पर डुबकी लगवाई, बकरी और मच्छरदानी दी

घर वापसी कर रहे दयाल ने कहा कि हमें धर्म परिवर्तन करने के लिए लालच दिया गया था। वे आए और सब लोगों को वाहन में बैठाकर राजघाट ले गए, जहां डुबकी लगवाई। उन्होंने ईसाई धर्म अपनाने पर मच्छरदानी, बकरी और कंबल दिए। मजदूरी करते हैं, इसलिए लालच में आ गए थे। उन्होंने कहा था कि हमारा धर्म मानोगे, तो इसी तरह सुविधा मिलती रहेगी। वहीं, महिला ने कहा कि उन्होंने राजघाट में डुबकी लगवाने के बाद कहा कि मंगलसूत्र पहनना बंद कर दो। बिंदी भी मत लगाओ। लालच में आकर हम भटक गए थे, लेकिन अब नहीं भटकेंगे। सनातन धर्म ही हमारा धर्म है, इसलिए अब अपने ही घर रहेंगे।

हम जातिवाद में नहीं पड़ते, हिंदुओं को खंड-खंड नहीं होने देंगे

कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम जातिवाद में नहीं पड़ते हैं। आज से आप हमारा परिवार हैं। सभी सनातनियों से कहा कि घर लौटे परिवारों को सभी अपना परिवार मानें। आज यदि हम नहीं जागे, तो ये लोग इसी प्रकार खंड-खंड करते रहेंगे, लेकिन मेरा प्रण है कि मैं हिंदुओं को खंड-खंड नहीं होने दूंगा। इसी तरह घर वापसी का अभियान लगातार चलता रहेगा।

पहले भी घर वापसी करा चुके हैं पं. धीरेंद्र

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार लोगों की घर वापसी करा रहे हैं। इससे पहले छतरपुर में 200 से अधिक लोगों की घर वापसी कराई थी। इसके अलावा ओडिशा समेत अन्य स्थानों पर लोगों की घर वापसी करा चुके हैं।

संपादकीय

यह चिंता की बात

यह बेवजह नहीं है कि कई बार वाहन चलाते हुए कोई व्यक्ति यह मान कर चलता है कि उसके आसपास या सामने कोई नहीं है और बहुत मामूली वजह से भी या तो वह हादसा कर बैठता है या फिर बेवजह घातक स्तर तक लड़ाई करता है। ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं जब किसी वाहन में निर्धारित से ज्यादा संख्या में लोगों को बिठा कर लोग बेहद असुरक्षित तरीके से चलते हैं। नशे में कोई छोटा या भारी वाहन चलाते हुए व्यक्ति न दूसरों का खयाल रख पाता है, न अपनी जान को लेकर उसे फिक्र होती है। अच्छी सड़कों को विकास के एक मानक के तौर पर देखा जाता है। लेकिन इनका इस्तेमाल करने वाले लोग अगर सफर के सलीके और कायदों को ताक पर रखते हैं, उसका नतीजा कभी भी सुखद नहीं हो सकता। आए दिन इस मसले पर अध्ययनों में यह बताया जाता रहा है कि बहुत मामूली लापरवाही की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में जिस पैमाने पर लोगों की जान चली जाती है, वह चिंता की बात है। लेकिन ऐसा लगता है कि ये आंकड़े न सरकार को ज्यादा चिंतित करते हैं, न लोग इससे सबक लेते हैं। बेहद अफसोसजनक यह भी है कि इस तरह के हादसों में न केवल वयस्क लोगों की जान जा रही है, बल्कि उनके साथ सफर करने वाले बच्चे भी नाहक ही जान गंवा बैठते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अकेले दिल्ली में पिछले तीन साल में एक से सत्रह वर्ष तक की उम्र वाले एक सौ इकसठ बच्चों की जान चली गई। अब यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि इस तरह के हादसों में जितने लोगों की मौत होती है, उनमें से ज्यादातर की जान सिर्फ कुछ सावधानी के जरिए बचाई सकती है। लेकिन इस मामले में बरती जाने वाली बहुस्तरीय कोताही के चलते अव्वल तो हादसों की रफ्तार पर रोक नहीं लग पा रही है और न ही इसमें मरने वालों को बचाया जा पाता है। यह छिपा नहीं है कि वाहनों के आपस में टकरा जाने और उसमें किसी के बुरी तरह घायल होने में सबसे बड़े कारकों में यातायात नियमों का पालन नहीं करना, निर्धारित से ज्यादा तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना, हेलमेट और अन्य सुरक्षा यंत्र पहनने को लेकर लापरवाही बरतना मुख्य हैं। जबकि सड़क पर चंद पलों के भीतर उचित निर्णय लेने में असंतुलन की वजह से बड़े हादसे हो जाते हैं और उसके बाद ये कारक किसी के जिंदा बचने की रही-सही उम्मीद खत्म कर देते हैं। यह बेवजह नहीं है कि अब सड़कों पर वाहन चलाने के मामले में नए सिरे से नियम सख्त करने, दोपहिया पर बच्चों के लिए हेलमेट अनिवार्य करने जैसे उपायों को अनिवार्य बनाने की बात उठ रही है। विडंबना यह है कि अगर कहीं नियमों के मुताबिक अमल को लेकर सरकार का आग्रह होता है तो वहां लोग अपनी ओर से इस हद तक लापरवाही बरतते हैं कि किसी की जान चली जाए। इसे यातायात को लेकर जरूरी प्रशिक्षण का अभाव कहा जा सकता है, लेकिन इससे ज्यादा यह न केवल दूसरों के जीवन के प्रति, बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर भी सजगता के अभाव का नतीजा है।

सैर-सपाटा

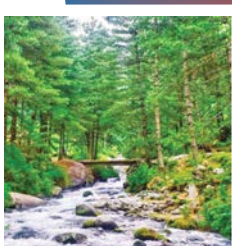

मनाली के आसपास की वो खूबसूरत जगहें, जिनके बारे में नहीं जानता कोई

दिल्ली, नोएडा और चंडीगढ़ के पास होने के कारण बहुत से लोग मनाली घूमने के लिए जाते हैं। मनाली हिमाचल प्रदेश में स्थित एक छोटा सा शहर है जो घने जंगलों और नदियों से घिरा हुआ है। मनाली के आसपास कई ऐसी जगहें हैं जो काफी खूबसूरत हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं मनाली के आसपास कई जगहें ऐसी भी है जिनके बारे में लोगों को पता ही नहीं है और इन जगहों को मनाली के हिडन प्लेसेस कहना गलत नहीं होगा। ऐसे बहुत से लोग हैं जो हर साल मनाली घूमने जाते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक हैं तो आज हम आपको मनाली के उन्हीं हिडन प्लेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं जो काफी शांत हैं और यह भीड़ ना के बराबर ही रहती है। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में-

● पत्लिकुहल

पत्लिकुहल एक बेहद ही खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। बाकी सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन के मुकाबले में पत्लिकुहल भले ही कम पॉपुलर है लेकिन जल्द ही यहां पर भी काफी ज्यादा मात्रा में टूरिस्ट आने लगेंगे। मनाली से पत्लिकुहल जाने के लिए आपको सिर्फ 27 मिनट का समय लगता है। यह हिमाचल प्रदेश के ऑफबीट प्लेसेस में से एक है।

● मलाना

मनाली से मलाना की दूरी सिर्फ 2 से 2।30 घंटे की है। ये गांव भारतीयों के साथ -साथ विदेशियों की भी पहली पसंद है। यहां पर आपको पत्थर और लकड़ी के कई खूबसूरत मंदिर भी देखने को मिलेंगे।

थानेदार

थानेदार, हिमाचल से लगभग 196 किलोमीटर दूर है। मनाली से यहां जाने में लगभग 3 घंटे 40 मिनट का समय लगता है। थानेदार में भारी मात्रा में सेब की खेती की जाती है और यहां सेब का निर्यात भी किया जाता है। यहां सेब के साथ ही चेरी की भी भारी मात्रा में खेती की जाती है।

● सोइल

सोइल, हिमाचल से 37 मिनट की दूरी पर स्थित है। मनाली से सोइल जाने के लिए आप कुछ दूरी तक ही गाड़ी से यात्रा कर सकते हैं। इसके बाद आपको यहां जाने के लिए पैदल ही रास्ता तय करना पड़ता है। यहां के ऊंचे-ऊंचे पेड़ और साफ वातावरण आपका दिल जीत लेगा। कैंपिंग लवर्स के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

● सजला

सजला, मनाली से 28 मिनट की दूर पर स्थित एक खूबसूरत गांव है। यह गांव अपने खूबसूरत वॉटरफॉल्स और विष्णु मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। मनाली से सजला तक जाने के लिए आपको ट्रेकिंग करनी पड़ती है। इस गांव तक पहुंचने के लिए आपको जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है जिसका एक अलग ही अनुभव होता है।

Highlights

1. Govt bans 14 apps used by terrorists to receive messages from Pakistan: Reports
2. Karan writes cryptic post on a person arriving late, says 'you ain't doing me favours'
3. How does the IPL 2023 points table read after MI's record chase at Wankhede?
4. Which are the fastest growing and fastest declining jobs according to WEF?
5. Heart-warming action: Law Minister as CJI helps specially-abled exam candidate

Wipro's lower-salary proposal accepted by over 90% freshers: Report

NEW DELHI, (Agency). To fast-track their onboarding, more than 90% freshers have accepted Wipro's proposal to consider a lower starting salary than what was originally offered, HT's sister website Mint has reported citing Economic Times.

Originally, the freshers were offered a package of ₹6.5 lakh per year. This was later revised to ₹3.5 lakh per year (Representational Image)

"The next-gen associates were given both the options, and 92% of campus hires chose to join at the lower offer," said Jatin Dalal, Wipro's Chief Financial Officer (CFO), as reported by Economic Times (ET story behind paywall).

What was the offer?

In February, India's fourth-largest IT company sent an email to freshers awaiting their onboarding. It asked if they were willing to join at a package of ₹3.5 lakh per annum, instead of ₹6.5 lakh per year, which was the original offer.

In the email, the Bengaluru-headquartered organisation also assured an 'early joining' for those who accepted the lower-salary option. Those who wanted to continue with the original offer could do so, the email noted, adding, however, that in such a scenario, the multinational firm would not be able to commit to an onboarding date.

Why did onboardings get delayed?

Freshers who graduated in 2022 are yet to be onboarded at Wipro. Previously, a company spokesperson attributed this to the 'changing macro environment.'

"...as a result of our business needs, we had to adjust our onboarding plans. As we work to honor all outstanding offers made, this current and immediate opportunity will help candidates start their careers, build expertise, and acquire new skills," the spokesperson had said about the lower-salary option.

Wipro headcount

The Azim Premji-founded firm had as many as 256,921 employees as of March 31, noted Mint. In the December quarter, on the other hand, 258,744 people were working here.

India becomes Europe's largest supplier of refined fuels after Russian oil ban

NEW DELHI, (Agency). India has become Europe's largest supplier of refined fuels this month while simultaneously buying record amounts of Russian crude, according to data from analytics firm Kpler.

Europe's reliance on Indian crude oil products has grown since the ban on Russian oil. Europe's refined fuel imports from India are set to surge above 360,000 barrels a day, edging just ahead of those of Saudi Arabia, Kpler's data show.

The development is a double-edged sword for the European Union. On the one hand, the EU needs alternative sources of diesel now that it has cut off direct flows from Russia, which was previously its top supplier. However, it ultimately boosts demand for Moscow's barrels, and means extra freight costs.

It also means that more

competition for Europe's oil refiners which can't access cheap Russian crude, and it comes amid wider market scrutiny about where the region's diesel imports are coming from. Russian crude oil arrivals to India are expected to surpass 2 million barrels a day in April, representing almost 44 per cent of the nation's overall oil imports, according to Kpler data. Russia emerged as a major supplier to India for the first time in 2022-23 (FY23) after it started giving oil at discounted rates amid the Ukraine war. Despite concerns raised by the West to India's imports from Russia during the war. India has taken a strong stand and said that it looks at all options to achieve energy security.

New Delhi

सरकार ने ब्लॉक किए 14 मेसेजिंग ऐप्स, कश्मीर आतंकी कर रह थे इस्तेमाल; पाकिस्तान से आते थे संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी केंद्र सरकार ने 14 मोबाइल मेसेजिंग ऐप्स को ब्लॉक कर दिया है। इनका अब देश में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। सूत्रों का कहना है कि इन ऐप्स का आतंकियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने की खबरें मिली थीं, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। आतंकी इन ऐप्स के जरिए अपना संदेश उग्रवादियों तक फैला रहे थे और पाकिस्तान से इन पर ही उन्हें मेसेज मिल रहे थे। सरकार ने सुरक्षा बलों, खुफिया और जांच एजेंसियों की सिफारिश पर यह फैसला लिया है। जिन ऐप्स को बैन किया गया है, उनमें

बीचैट, नैंडबॉक्स, आईएमओ, एलिमेंट, सेकंड लाइन, जांगी, थ्रीमा, एनिग्मा, मीडिया फायर और ब्रियार शामिल हैं।

इन सभी का इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे। इसके अलावा वे ओवरग्राउंड वर्कर भी इनका यूज कर रहे थे, जो आतंकियों की मदद करते हैं। इन लोगों में आम नागरिक के तौर पर रहने वाले लोग शामिल हैं। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अपनी पड़ताल में पाया था कि आतंकवादी इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। इन ऐप्स का कोई भी प्रतिनिधि भारत में नहीं है। ऐसे में इनसे जुड़ी शिकायत करना भी आसान नहीं था और आतंकी इसी वजह से इनका धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे थे। अब सरकार ने इन्हें बैन कर दिया है, जिससे आतंकियों के लिए अपना नेटवर्क चलाना अब आसान नहीं होगा।

New Delhi

बोनट पर लटका रहा शख्स, दिल्ली की सड़कों पर 3 किमी तक दौड़ती रही बिहार के सांसद की कार

नई दिल्ली, एजेंसी राजधानी दिल्ली में बीती रात एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. रविवार रात करीब 11 बजे आश्रम चौक से निजामुद्दीन दरगाह की ओर आ रही एक कार, बोनट पर लटके एक शख्स को लेकर करीब 2-3 किलोमीटर तक चलती रही. इसके बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी की कार का पीछा किया और बोनट पर लटके शख्स की जान बचाई. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

पुलिस के मुताबिक, कार बिहार के लोकसभा सांसद चंदन सिंह की बताई जा रही है.सांसद हादसे के वक्त गाड़ी में मौजूद नहीं थे, गाड़ी ड्राइवर चला रहा था. पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया है. पीड़ित शख्स की पहचान चेतन के रूप में हुई है जो एक कैब ड्राइवर है. चेतन ने बताया, 'मैं ड्राइवर का काम करता हूं, मैं एक यात्री को छोड़ कर लौट रहा था. जब मैं आश्रम के पास पहुंचा तो एक कार ने मेरी कार को तीन बार तीन बार हल्की टक्कर मार दी. फिर मैं अपनी कार से बाहर आया और उसकी कार के सामने खड़ा हो गया. इसके बाद वह (आरोपी) ने कार शुरू कर दिया और मैं कार के बोनट पर लटक गया.' पीड़ित ने कहा, 'मैं आश्रम चौक से निजामुद्दीन तक कार के बोनट पर लटकता रहा. मैं उसे रुकने के लिए कहता रहा, लेकिन वह नहीं रुका. वह व्यक्ति नशे में धुत था. रास्ते में मैंने एक पीसीआर खड़ी देखी और उसमें सवार पुलिसवालों ने हमें कार का पीछा किया और कुछ देर में आरोपी को रोक लिया.' वहीं आरोपी ड्राइवर रामचंद कुमार ने कहा, 'ये हमारे साथ जबरदस्ती किए हुए हैं. मेरी कार ने उनकी कार को छुआ भी नहीं था, आप दोनों गाड़ियों को देख लीजिए, अगर थोड़ी सी भी कार सटी है तो मैं खुद को दोषी मान लूंगा.

Paschim bangal

TMC की मीटिंग पर गिरी बिजली, एक कार्यकर्ता की मौत, 43 लोग जख्मी

कोलकाता, एजेंसी पश्चिम बंगाल में बांकुड़ा जिले के इंडस इलाके में बिजली गिरने की घटना से टीएमसी कार्यकर्ता की मौत हो गई। जबकि इस प्राकृतिक घटना में 43 अन्य लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। बताया जा रहा है कि टीएमसी पदाधिकारी समेत पार्टी के कार्यकर्ताओं की इलाके में मीटिंग हो रही थी। वे मीटिंग के लिए इलाके में जमा हुए थे। अचानक हुई बारिश के बाद वे खुद को भीगने से बचाने के लिए बरगद के एक पेड़ के नीचे जमा हुए, तभी वहां बिजली गिर गई और यह हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। बाकुंडा जिले के इंडस इलाके में बरगद के एक पेड़ पर बिजली गिरने से तृणमूल कांग्रेस पार्टी के एक पदाधिकारी की मौत हो गई और 43 पार्टी समर्थक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि वे सभी बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए थे। इससे पहले पार्टी कार्यकर्ओंता और समर्थकओं की इलाके में बैठक हो रही थी।

Uttarpradesh

आगरा : पुष्पांजिल हाइट्स में 7वीं मंजिल के दो फ्लैटों में आग, इमारत कराई खाली, दो दमकल कर्मियों की हालत बिगड़ी

आगरा, एजेंसी आगरा के दयालबाग स्थित पुष्पांजलि हाइट्स अपार्टमेंट के दो फ्लैट में सोमवार सुबह आग लग गई। आग से अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और दमकल पहुंची। अपार्टमेंट में धुआं भरने से दो दमकल कर्मियों की हालत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। पुष्पांजलि हाइट्स के सातवें तल पर फ्लैट नंबर-702 में राहुल भटनागर, मां और पत्नी संगीता भटनागर रहती हैं। आठवें तल पर फ्लैट नंबर-802 में राजीव सक्सेना, पत्नी निधि सक्सेना दो बेटियों सुकृति और वैभवी रहती हैं। निधि सक्सेना ने बताया कि सोमवार सुबह चार बजे वे सो रही थीं। उनके पास पड़ोसी ने कॉल करके नीचे वाले फ्लैट में आग लगने के जानकारी दी। लपटें उनके फ्लैट में पहुंच रही थीं।

खेल

मुंबई ने रोहित को दिया जन्मदिन का तोहफा

● राजस्थान को छह विकेट से हराया, यशस्वी जायसवाल का शतक बेकार

मुंबई, (एजेंसी) आईपीएल के 1000वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट से हराकर इस सीजन अपनी चौथी जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही मुंबई की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर आ गई है। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 212 रन बनाए थे। इसके जवाब में मुंबई ने 19.3 ओवर में 214 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए टिम डेविड ने 20वें ओवर की तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाकर मैच खत्म कर दिया। राजस्थान के लिए यशस्वी जायसवाल की 124 रन की पारी बेकार गई। वहीं, मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 55 रन बनाए। उनके अलावा टिम डेविड ने 45 और कैमरून ग्रीन ने 44 रन बनाए।

इस मैच में मुंबई ने वानखेड़े के मैदान में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। वहीं, आईपीएल के

इतिहास में चौथे सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आईपीएल में सबसे बड़ी रन चेज राजस्थान की टीम ने 2020 में पंजाब के खिलाफ की थी। इस मैच में राजस्थान ने 224 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया था।

राजस्थान की अच्छी शुरुआत

राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर की सलामी जोड़ी ने पांच ओवर के अंदर टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। पावरप्ले के बाद राजस्थान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 65 रन था। बड़े स्कोर की नींव रखी जा चुकी थी। हालांकि, आठवें ओवर में बटलर को पीयूष चावला ने आउट कर दिया। उन्होंने 19 गेंद में 18 रन बनाए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान सैमसन भी कुछ खास नहीं कर सके। वह 10 गेंद में 14 रन बनाकर अर्शद खान का शिकार बने। इसके बाद चावला ने देवदत्त पडीक्कल को अपना दूसरा शिकार बनाया। पडीक्कल सिर्फ दो रन बना सके।

जेसन होल्डर को इस मैच में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, लेकिन वह भी नौ गेंद में 11 रन बनाकर आउट हो गए। शिमरोन हेटमायर भी नौ गेंद में आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मेरिडथ ने ध्रुव जुरेल को दो रन के स्कोर पर आउट किया। हालांकि, यशस्वी जायसवाल एक छोर पर जमे रहे और 53 गेंद पर अपना शतक पूरा किया। आखिरी दो ओवरों में भी जायसवाल ने ही अधिकतर रन बनाए और राजस्थान की टीम सात विकेट पर 212 रन बनाने में सफल रही। जायसवाल तीन गेंद रहते आउट हो गए, लेकिन अपनी टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे। इस मैच में राजस्थान ने मुंबई के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। इससे पहले इस टीम ने 2022 में मुंबई के खिलाफ 193 रन बनाए थे।

सिनेमा

सलमान खान को मिल रही धमकियों पर कंगना रनौत का रिएक्शन, बोलीं- डरने की कोई जरूरत नहीं

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को मिल रही जान से मारने की धमकियों पर कंगना रनौत ने रिएक्शन दिया है। कंगना रनौत ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में सुरक्षित है और इसलिए सिक्योरिटी के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। कंगना रनौत ने कहा, 'हम कलाकार हैं। सलमान खान को केंद्र सरकार की तरफ से सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से सुरक्षा दी गई है, तो फिर डरने की कोई जरूरत नहीं है।' कंगना रनौत ने कहा, 'जब मुझे धमकियां मिल रही थीं, तब मुझे भी सरकार की तरफ से सुरक्षा दी गई थी, आज देश सुरक्षित हाथों में है। हमें किसी चीज की फिक्र करने की जरूरत नहीं है।' बता दें कि कंगना रनौत रविवार को गंगा आरती के लिए हरिद्वार पहुंची थीं। इसके बाद वह केदारनाथ धाम जाएंगी। कंगना रनौत ने कहा, 'मैं हमेशा से केदारनाथ धाम जाना चाहती थी और अब फाइनली ये हो रहा है।' मालूम हो कि जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद सलमान खान को मुंबई पुलिस की तरफ से Y+ सिक्योरिटी दी गई है। सलमान खान ने एक न्यूज शो पर इस बारे में बातचीत करते हुए कहा कि सिक्योरिटी इनसिक्योरिटी से बेहतर है।

मारपीट के बाद घर जाकर सोया, मौत

पुलिस ने हमला करने वाले पर दर्ज किया हत्या का केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बड़गोंदा थाना क्षेत्र में दो लोगों के बीच में विवाद हो गया। इसके चलते एक ने दूसरे को डंडे से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। मारपीट के बाद घायल घर जाकर सो गया था। सुबह उसे उठाने का प्रयास किया तो वह उठा ही नहीं। बाद में पता चला कि उसकी मौत हो गई है।

पुलिस के अनुसार मृतक का नाम सुनील पिता भाव सिंह रावत 35 साल निवासी दिग्विजय मल्टी अहिरखेड़ी इंदौर है। पुलिस के मुताबिक सुनील मजदूरी करता था। वहां अपने दोस्त अजय उर्फ पिंटू पिता प्रेम राठौर निवासी दिग्विजय मल्टी के साथ बड़गोंदा थाना क्षेत्र आया था और यहां एबी रोड पर इंदौर जंक्शन ढाबा ग्राम नांदेड़ में दोनों ने बैठकर शराब पी और फिर इनके बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों एक-दूसरे से गाली गलौज करने लगे और नौबत मारपीट तक जा पहुंची। इस दौरान आरोपी अजय ने सुनील पर डंडे से हमला किया और उसे घायल कर भाग गया। घायल सुनील ढाबे अपने घर जाकर सो गया। दूसरे दिन सुबह पत्नी ललिता बाई ने उसे जगाया तो पति के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई और वह अचेत हालत में पड़ा रहा। इस पर किसी तरह वह उसे वहां उसे अपने इंदौर स्थित दिग्विजय मल्टी घर लेकर आ गई जहां उसकी मौत हो गई। बड़गोंदा पुलिस ने आरोपी अजय के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

रुपयों के के विवाद में कर दिया घायल

रुपयों के लेनदेन को लेकर हुई कहासुनी में आरोपी ने युवकों के साथ मारपीट करते हुए चाकू मार दिया। नार्थ गाडराखेड़ी मरीमाता में रहने वाले प्रशांत यादव ने पुलिस को बताया कि राही नगर रघुवंशी कालोनी में रहने वाले आदित्य ने उसे रोका और कहने लगा कि मोहित जादौन से जो तूने 50 हजार रूपए उधार लिए थे वह कब देगा। प्रशान्त ने कहा कि जब आएंगे तो मैं मोहित को दे दूंगा। इस पर आरोपी ने गाली गलौज देना शुरू कर दी। गाली देने का विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करते हुए जेब से चाकू निकाला और उस पर वार कर दिया। शोर मचाने पर बीच बचाव करने पहुंचे भाई नितेश यादव के साथ भी आरोपी ने मारपीट कर उसे भी चाकू मारकर घायल कर दिया जाते जाते आरोपी ने धमकाया कि आगे से उससे विवाद किया तो वह उन्हें जान से खत्म कर देगा।

दो महिलाओं ने खाया जहर, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम इलाके में रहने वाली एक महिला ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक रविवार को वह शादी में उत्तर प्रदेश स्थित मायके जाने की तैयारी कर रही थी। वह सामान पैक कर जाने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच चार माह के बेटे को बाहर के कमरे में छोड़कर अंदर गई और जहर खा लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक नंदन नगर में रहने वाली प्रगति शर्मा (24) ने जहर खा लिया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां रविवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रगति की डेढ़ साल पहले ही शादी हुई है। उसका चार माह का एक बेटा है। पति मुकुल ने बताया कि वह फर्नीचर का काम करता है। मुकुल के मुताबिक प्रगति रविवार को पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिए मायके जाने की तैयारी कर रही थी। उसने आत्महत्या क्यों की यह मुकुल बता नहीं पाया।

यहां भी जहर पीने से मौत- उधर, बाणगंगा में रहने वाली एक नवविवाहिता ने जहर पीकर जान दे दी। उसे पति बेसुध हालत में एमवाय लेकर पहुंचा था। यहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। पुलिस के मुताबिक मृतका का नाम जान्हवी बटेडा (25) निवासी शिव कंठ कॉलोनी है। जान्हवी ने रविवार को जहर पी लिया था। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पति विजय ने बताया कि वह जूते की फैक्ट्री में काम करता है। मेरी जान्हवी से कहासुनी हुई थी। जिसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। विजय ओर जान्हवी का चार साल का एक बेटा भी है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

ब्राउन शूगर की तस्करी में दो गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच की टीम ने ब्राउन शूगर की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 10 ग्राम ब्राउन शूगर बरामद की है। जिसकी कीमत करीब एक लाख रूपए बताई जा रही है। आरोपी इंदौर और इसके आसपास मादक पदार्थ की डिलेवरी देते थे। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध व्यक्ति लसूडिया थाना क्षेत्र के सीएचएल हास्पिटल के आगे गुमटी के पास में ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले हैं। इस पर टीम ने दबिश देकर राहुल निवासी कबीर खेड़ी और राहुल निवासी लसूडिया को गिर तार किया। उनसे दस ग्राम ब्राउन शूगर जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिर तार कर लिया है।

मामला युवती की हत्या का ...

पहले भी आरोपी से पुलिस ने की थी पूछताछ

प्रेमिका ने शादी के लिए दबाव डाला तो गला घोंटकर कर दी मौत के घाट उतार दिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हीरानगर से लापता युवती की हत्या का तीन साल बाद पर्दाफाश हुआ है। युवती का शादीशुदा युवक से प्रेम संबंध था। वह शादी का दबाव बना रही थी, युवती ने दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। दो दोस्तों को बुलाकर शव नाले के पास गाढ़ दिया। शंका में पुलिस ने पहले भी आरोपी से पूछताछ की थी, लेकिन कुछ हासिल नहीं कर पाई। एक साल बाद युवती का कंकाल मिला और अब आरोपी हिरासत में आए है।

डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, अर्चना नामक युवती की हत्या के मामले में विशाल उर्फ अक्कू निवासी कुलकर्णी का भट्टा, सत्यनारायण सोलंकी निवासी शिप्रा और शिवनंदन उर्फ जान निवासी एमआर-10 को हिरासत में लिया है। मई 2020 में युवती लॉक डाउन के दौरान लापता हुई थी, दस दिन बाद परिजनों ने हीरानगर थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। उस समय विशाल पर शंका जताई गई, पुलिस ने पूछताछ भी की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

मई 2021 में परदेशीपुरा में सडक़ निर्माण व नाला चौड़ीकरण का काम हुआ तो खुदाई में युवती के शरीर के एक हिस्से का कंकाल भी मिला लेकिन गुत्थी नहीं सुलझी। हाल ही में क्राइम ब्रांच को युवती को लेकर पुख्ता सूचना मिली। सूचना पर काम करते हुए पुलिस ने आरोपियों को पकडक़र पूछताछ की तो उन्होंने हत्या करना कबूल लिया।

परदेशीपुरा पंकज द्विवेदी के मुताबिक, विशाल ने दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या करना कबूल लिया है। आरोपी शादी शुदा है और तीन बच्चों का पिता है। उसका युवती से प्रेम संबंध हो गया था। बाद में युवती शादी के लिए दबाव डाल रही थी जिसके कारण घर में विवाद हो रहा था। घटना वाले दिन युवती आरोपी के घर आई तो उसने गला घोंटकर हत्या कर दी। उसने दोस्तों सत्यनारायण व शिवनंदन को बुलाया और रात के समय नाले किनारे गड्ढे में गाढ़ दिया था। पुलिस अब युवती की शिनाख्त के लिए परिवार के सदस्य का डीएनए टेस्ट कराएगी।

कोरोना के लॉक डाउन के दौरान आरोपी ने हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोपी विशाल पर शराब तस्करी व अन्य कई आपराधिक मामले दर्ज है। वह युवती के रिश्तेदार का दोस्त भी था। जब युवती लापता हुई तो उस पर शंका भी जाहिर की गई थी, पूछताछ के बाद पुलिस कुछ हासिल नहीं कर पाई। गुमशुदगी थाना हीरानगर में दर्ज हुई थी। एक साल में कंकाल मिला तो वह परदेशीपुरा थाने में था। अफसरों का मानना है कि दो थानों की उलझन में समंवय नहीं बना और मामले में गंभीरता नहीं दिखाई गई जिससे कारण तीन साल बाद खुलासा हुआ।

सास ने बहू को पीटा

इंदौर। सास ने बहू की बाल पकडक़र जमकर पिटाई कर दी गई। पुलिस ने सास और देवर के खिलाफ केस दर्ज किया है। थना लसूडिय़ा पुलिस के मुताबिक मारपीट की घटना पीडि़ता स्मिता पति कंदुन राय(&0) निवासी स्कीम नंबर 78 के साथ हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी मंजूदेवी राय और राहुल राय के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। महिला ने बताया कि मैंने अपने पति को कैफे जाने के लिए कैफे की चाबी दी तो मेरी सास मुझे उल्टा सीधी बोलने लगी। जब मैंने मना किया कि म मी जबरन क्यों लड़ती हो तो मुझे बाल पकडक़र नीचे घसीट कर पटक दिया और जमकर पीटा।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला पकड़ाया

इंदौर। इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही छात्रा से लगातार छेड़छाड़ करने वाले युवक को पुलिस ने गिर तार कर लिया है। मामला पलासिया थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी संजय सिंह बैस के अनुसार छात्रा जेईई की तैयारी कर रही है। आरोपी का नाम बबलू शर्मा है वह आए दिन लड़कियों पर फब्तियां कस रहा था और छेड़छाड़ कर रहा था। उसने छात्रा से छेड़छाड़ की। इस पर छात्रा ने तत्काल पुलिस को खबर कर दी। पुलिस की टीम ने मौके से आरोपी बबवलू को पकडक़र सबक सिखाया।

sponcership

Detective Group Report
SUBSCRIBE

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
◆ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ◆*संपादक - पुष्पेंद्र पुष्प, ◆ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ◆ समूह PRO - एल.एन. उग्र ◆ फोन : 0731-2433676, मो.नं. 91111-56060 Website : www.dgr.co.in *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।